

और किस समय तक वह इस को पूरा कर सकेंगे ।

**Dr. K. L. Rao:** These are the power units which are under construction. There is one 15 MW station which will come up by March, 1966, there is another one 60 Mw which will come up by June, 1966, and the next one will follow after four months.

**Shri Vidya Charan Shukla:** There have been very frequent breakdowns in Delhi, because of which among others small-scale industries have also suffered very grievously. May I know what preventive action has been taken or is contemplated to be taken by the Ministry, so that these frequent breakdowns do not occur?

**Dr. K. L. Rao:** The power breakdowns, I am glad to state, are much less now than before. These power failures are due to the fact that the distribution system has to be augmented very much. The original distribution system was intended only for a much smaller load. Now the load has increased very much, very rapidly. Therefore, the distribution system has also got to be stepped up, and that is what is being done. The Ministry is watching very carefully. We have got a sub-committee to go into this continuously, and I expect the breakdowns will become less and less.

**श्री यशपाल सिंह :** जैसा कि सरकार ने हिमाचल लगाया है, पंजाब से जो बिजली ली जाती है, वह दो पैसे की यूनिट पड़ती है, और दिल्ली में जो बिजली पैदा की जायेगी, वह साढ़े चार पैसे की यूनिट पड़ेगी और इस से साढ़े दस लाख रुपये का घाटा पड़ेगा । मैं यह जानना चाहता हूँ कि यह घाटा कन्व्यूमर से लिया जायेगा या सरकार उसको बर्दाश्त करेगी ।

**Dr. K. L. Rao:** The rate at which Bhakra power is supplied is about 4½ paise. Apart from that, the Delhi Administration has to take this and thermal power together and they have got to supply at the same uniform

rate. Therefore, they cannot give at the same rate at which Bhakra power is supplied.

**Shri Shinkre:** In view of the fact that too much power is being very often wasted in Delhi in wedding reception functions and religious celebrations, will the hon. Minister take some steps to prevent such wastage? That will also help family planning in a way.

**Dr. K. L. Rao:** This has already been noted, and instructions were given that the marriage party load should not exceed 2 KW, and also every type of economy should be achieved.

#### Installation of Statues of Leaders in the Capital

\*755. **Shri Lakhmu Bhawani:** Will the Minister of Works and Housing be pleased to refer to the reply given to Starred Question No. 40 on the 4th November, 1965 and state:

(a) whether any decision has since been taken regarding the installation of statues of Netaji, Dr. Rajendra Prasad, Pandit Jawahar Lal Nehru and Lala Lajpat Rai in the Capital; and

(b) if so, the details thereof?

**The Minister of Works and Housing (Shri Mohr Chand Khanna):** (a) and (b). The Committee on Installation of Statues in Delhi has recommended seven sites for the installation of statues of national leaders. The recommendations are under the consideration of Government.

**श्री लखमू भवानी :** मैं जानना चाहता हूँ कि गांधीजी और नेता जी मुभाव चन्द्र बोस जी की प्रतिमाएँ लगाने के सम्बन्ध में क्या कोई निर्णय हो चुका है ?

**अध्यक्ष महोदय :** उन्होंने कहा है कि सोच रहे हैं । फैसला तो अभी उन्होंने नहीं किया है ?

**श्री लखमू भवानी :** कब तक हो जाएगा ?

**डा० राम मनोहर लोहिया :** क्या सरकार ने इस पर विचार किया है कि हिन्दुस्तान के साधारण नागरिक, मजदूर, विद्यार्थी वगैरह की मूर्तियां और जो हमारी पुरानी गाथाएँ हैं उनकी मूर्तियां लगाई जायें ? अगर नहीं इस पर विचार किया है तो इसका क्या कारण है ?

**श्री मेहर चन्द खन्ना :** जो भी हमारे पास मुझाव धाते हैं हम उनको कमेटी के सामने रख देते हैं । अगर माननीय सदस्य कोई मुझाव बेंगे तो वह भी कमेटी के सामने चला जाएगा और वह उस पर गौर करेगी ?

**डा० राम मनोहर लोहिया :** मुझाव दिया जा चुका है ।

**अध्यक्ष महोदय :** तो फिर गौर करेंगे ।

**डा० राम मनोहर लोहिया :** इसलिए सवाल पूछा है कि अब तक क्यों इसके ऊपर विचार नहीं हुआ है ?

**श्री मेहर चन्द खन्ना :** किसी चीज या किसी खास धादमी का नाम लिया जाए तो मैं जबाब दे सकता हूँ ।

**डा० राम मनोहर लोहिया :** अध्यक्ष महोदय, मैं धापकी शरण में धाया हूँ । सवाल कोई खास के लिए नहीं है । सवाल साधारण नागरिक के सम्बन्ध में, किसान, मजदूर, विद्यार्थी इत्यादि के सम्बन्ध में है और भारत की पुरानी गाथाओं के सम्बन्ध में है ।

**अध्यक्ष महोदय :** यहाँ उन्होंने कहा है कि जो हमारे पास मुझाव धाए हैं उन पर हम विचार कर रहे हैं। अगर धाप कुछ पूछना चाहते हैं तो धाप पूछ लें । लेकिन धाप ने यह पूछा है कि धापों तक विचार क्यों नहीं हुआ है ? वह कहते हैं कि किसी खास के लिए धाप पूछें तो बताया जा सकता है कि उस पर विचार हुआ है या नहीं । तमाम इस तरह की जो जनरल चीज है वह नहीं बता सकते हैं। यहाँ उन्होंने जबाब दिया है ।

**श्री स० मो० बनर्जी :** नेताजी मुभाषचन्द्र बोस की मूर्ति लाल किले के सामने लगाने का प्रस्ताव था क्योंकि उन्होंने दिल्ली चलो और लाल किले पर कब्जा करो का नारा दिया दिया था । मैं जानना चाहता हूँ कि क्या किसी दूसरी जगह उनकी मूर्ति लगाने की कोशिश हो रही है या सरकार इसके बारे में फाइनल निर्णय कर चुकी है कि यह मूर्ति लाल किले के सामने सगाई जाएगी ?

**श्री मेहर चन्द खन्ना :** जो इनफार्मेशन माननीय सदस्य की है वह दुस्त नहीं है । जहाँ तक इस कमेटी का सम्बन्ध है उसका मुझाव यह है कि लोकमान्य तिलक और नेता जी, दोनों की मूर्तियां लाल किले के बाहर लगाई जायें । यह जो कमेटी की सिफारिश है, इसको मैं गवर्नमेंट के सामने ले जाऊंगा और जब तक गवर्नमेंट का कोई पक्का फैसला न हो, मैं कोई जबाब नहीं दे सकता हूँ ।

**Shri Mohammad Elias:** How long will the government take to remove all the old statues of the British rulers from the different public places?

**Shri Mehr Chand Khanna:** Nine out of 12 have already been removed and only three remain to be removed and the intention is to remove them gradually.

**श्री के० दे० मालवीय :** धापों जो डा० लोहिया ने मुझाव पेश किया है धापने प्रश्न के द्वारा क्या सरकार उस पर उसकी ग्रहमियत को देखते हुए गौर करेगी ?

**अध्यक्ष महोदय :** उन्होंने कहा है कि उन के पास लिख कर मुझाव भेज दें तो गौर होगा ।

**श्री के० दे० मालवीय :** उन के जवाब से मालूम नहीं हुआ है । जो धापों मुझाव एक धाया है, क्या वह उसको...

श्री मेहर चन्द खन्ना : जनरल सवाल का जनरल जबाब दिया जा सकता है और स्पेसिफिक सवाल का स्पेसिफिक जबाब दिया जा सकता है ।

श्री के० दे० मालवीय : स्पेसिफिक सुझाव है । समझने की बात है ।

श्री क० ना० तिवारी : सरदार भगतसिंह का बूत बनाने के लिए क्या कोई रिप्रिजेंटेशन सरकार को मिला है, अगर हां तो उसके ऊपर क्या कार्रवाई की जा रही है ?

श्री मेहर चन्द खन्ना : सरदार भगत सिंह का बूत लगाने के लिए दिल्ली में हमने कोई सोचा नहीं है । दोदिन के बाद फिर कमेटी की मॉटिंग होने वाला है ।

श्री शिंकरे : मुझाब मिला है या नहीं मिला है ।

श्री मेहर चन्द खन्ना : मेरी बात आप मुन तो लोजिये ।

Mr. Speaker: There ought to be patience on both sides; each side has to hear the other.

Shri Shinkre: Will you please ask them to answer? Is it the answer to the question?

Mr. Speaker: Will he kindly sit down?

Shri K. D. Malaviya: More patience should be exercised from the government benches.

श्री मेहर चन्द खन्ना : माननीय सदस्य श्री बड़े धर्म तक मन्नो रह चुके हैं । मैं धर्म कर रहा था कि जहां तक सरदार भगतसिंह के बूतका ताल्लुक है अभी तक कमेटी ने इस पर खास तौर पर गौर नहीं किया है । कमेटी की मॉटिंग दो तीन दिन में फिर होने वाली है । इस सुझाव पर हम सोचेंगे ।

Shri J. B. Kripalani: May I suggest that no statues should be installed till we have proper sculptors who can do

the things properly because whatever has been installed is absolutely ugly.

Shri Mehr Chand Khanna: It is a question of opinion. I do not subscribe to the viewpoint of the hon. Member.

Shri J. B. Kripalani: Sculptor? It is not a question of opinion.

Shri Vidya Charan Shukla: Is it one of the recommendations of this Committee that the statues which are installed should not be installed on the traffic islands at the main intersections of the roads and may I know whether in pursuance of this, all the statues which are installed are going to be shifted from where the statues are standing at present?

Shri Mehr Chand Khanna: It is a recommendation of the Delhi Development Authority that no statue should be put up on the roundabouts. One statue was put up—the statue of Lokamanya Tilak—on the round about near Harding Bridge, and the intention is to remove it and take it to outside the Red Fort.

श्री प्रकाशचौर शास्त्री : पहले गृह-मंत्री पंडित गोविन्द वल्लभ पन्त ने एक बार इसी सदन में यह घोषणा की थी कि सरदार पटेल की प्रस्तर प्रतिमा विजय चौक पर लगाई जाएगी । बाद में इस निर्णय को यह कह कर बदल दिया गया कि विजय चौक पर कोई प्रतिमा नहीं लगाई जाएगी, वह स्थान खाली रहेगा । मैं जानना चाहता हूँ कि यह जो निर्णय था क्या इस में फिर कोई परिवर्तन हो गया है और कोई प्रतिमा वहां लगाने का निश्चय किया जा रहा है ?

श्री मेहर चन्द खन्ना : पहली बात का तो मुझे कोई इल्म नहीं है ।

श्री प्रकाशचौर शास्त्री : यहाँ उनकी घोषणा हुई थी । पंत जी ने यह घोषणा की थी ।

श्री मेहर चन्द खन्ना : मैंने कहा है कि मुझे इल्म नहीं है । सरदार पटेल का स्टेचू पार्लियामेंट स्ट्रीट में लगाया जा चुका है जो

बहुत प्रच्छा है। विजय चौक का जहाँ तक सम्बन्ध है अभी भी हमारा कोई इरादा वहाँ स्टेनू लगाने का नहीं है। जो हमारा इरादा है वह यह है कि पहले राष्ट्रपति और पहले प्रधान मंत्री के बूत विजय चौक से जो सड़क इंडिया गेट की तरफ जाता है उस सड़क के दाईं बाईं तरफ हम लगाना चाहते हैं। विजय चौक में लगाने का अभी कोई फैसला नहीं किया गया है।

**श्री शशि रंजन :** जो हमारा तजुर्बा है और हम समझते हैं कि मंत्री महोदय का भी तजुर्बा होगा, यह है कि जो भी प्रस्तर मूर्तियाँ लगाई गई हैं वे बहुत गन्दी हालत में हैं, चिड़ियों इत्यादि द्वारा उनको बहुत गन्दा कर दिया गया है और उनको सफाई का कोई इंतजाम नहीं होता है। उनको देख कर एक दिल में दर्द उठता है। मैं जानना चाहता हूँ कि क्या मंत्री महोदय इस और ध्यान देंगे कि जो भी मूर्तियाँ लगाई जायें उन के प्रादर के स्थल से उनको बराबर साफ रखा जाए ?

**श्री मेहर चन्द खन्ना :** जहाँ तक मेरा ताल्लुक है उमान देने से ही मेरा ताल्लुक है। उमान देने से ही मेरा ताल्लुक है। मेंटेनेंस लोकल बाडी का काम का है या उस कमेटी का है जो कि उन मूर्तियों को स्थापित करवाती है। माननीय सदस्य का जो सुझाव है वह मैं लोकल बाडी को भा. मिजवा दूंगा और उस कमेटी को भा. मिजवा दूंगा जो कि उन मूर्तियों को स्थापि करवाती है।

**श्री ड० नू० शिवदेवी :** ये जो मूर्तियाँ लगाई जा रही हैं क्या ये सारी को सारी उन प्राद-मियों को लगवाई जा रही हैं जो कि कांग्रेस के नेता रहे हैं या उनका; भा. लगाई जायेंगी दूसरों को भी लगवाई जायेंगी, जैसे डा० यामा प्रसाद मुकुर्जी ये जिन्होंने जम्मू और कश्मीर को भारत वर्ष में रखने के लिए अपनी जान भी दे दी या ? उनको मूर्ति लगाने पर विचार किया जाएगा ?

**श्री मेहर चन्द खन्ना :** बात यह है कि नेशनल लांडर्ज की मूर्तियाँ हम लगाते हैं। उस में एक शर्त यह है कि कोई न कोई कमेटी सामने प्रानी चाहिये जो उस खर्च के लिए अपने प्राप को पेश करे। अगर यह सब हमारे सामने प्राए किता कमेटी की तरफ से कि डा० मुकुर्जी का बूत दिल्ली में लगाया जाए तो कमेटी उस पर विचार करेगी, संचिगी। लेकिन एक प्रश्न मैं कर देना चाहता हूँ सदस्यों के सामने। हमारा इरादा यह नहीं है कि तमाम के तमाम जो हमारे नेशनल लांडर्ज हैं उन सब को मूर्तियाँ दिल्ली में ही लगाई जायें। उनको सोचना पड़ेगा कि और स्थानों में कहीं उनको लगाया जाए या दिल्ली में ही लगाया जाए।

**Shri Narasimha Reddy :** When third-rate men on the Treasury Benches are providing themselves with bronze statues, is it not lowering down the enormous prestige of our national leaders like Mahatma Gandhi and others, to throw them down and equalise them with these third-rate gentlemen?

**Shri Mohr Chand Khanna :** I have not followed.

**Mr. Speaker :** Nor could I follow it.

**श्री बागड़ी :** जब किसान, जब किसान के नाम पर भी कोई मूर्ति लगाई जाएगी ?

12.00 hrs.

#### SHORT NOTICE QUESTIONS

##### Tuticorin Thermal Power Station

+

S.N.Q. 9. **Shri M. P. Swamy :**

**Shri Malachand :**

**Shri Balakrishnan :**

**Shri Kanakasabal :**

**Shri Nesamony :**

**Shri Kasinatha Dorai :**

**Shri Reddhar :**

Will the Minister of Irrigation and Power be pleased to state:

(a) the stage at which the proposed Tuticorin Thermal Power Plant Scheme stands at present;